विद्याविलासि

श्रीमंत सरकार गायकवाड

सयाजीराव महाराज

सेनाखासखेल समशेरबाहादूर.

श्रीमंत सरकार गायकवाड महाराजा साहेबे
पोताना राज्यमां स्थापन करेली

गायन शाळाओमां चालती गायननी चिजोनुं

पुस्तक ५ मुं

आ पुस्तक

प्रोफेसर मौलाबक्ष घीसेखां

एओए

श्रीमंत सरकार सयाजीराव महाराजा गायकवाड
सेनाखासखेल समशेर बहादूर

एमना आश्रयथी

शेहर वडोदरामां

बडोदा वत्सल' छापखानामां छाप्युं

संवत १९५० सन १८९४

किंमत ६ आना कलदार

प्रस्तावना.

दिन प्रतिदिन विद्यार्थीओ संगीत विद्याना अभ्यासमां वधारे आगळ पडता रहेवाथी आ पांचमुं पुस्तक प्रगट करवानी जरूर पडीछे. अने तेनो छपामण वगेरे खरच दाखला मुजब विद्याविलासी **श्रीमंत सरकार गायकवाड सेनाखासखेल समशेर बहादूर सयाजीराव महाराजा साहेबनी** आज्ञानुसार केळवणी खाताए आपेलो छे ते बदल महाराजा श्रीनो आभार मानीने प्रार्थना करीए छिए के आ सुज्ञ महाराजा साहेब दीर्घायु रहो अने सर्व रिद्धि सिद्धिने पामे. अस्तु.

प्रो. मौलाबक्ष घिसेखां,

ग्रंथकार.

अनुक्रमणिका.

अनुक्रमनंबर.	पाठनो मतलब तथा रागना नाम.	पृष्ठ.
१	लेखनविधी करनारनी प्रस्तावना	१
२	पाठ १. लग्नसमारंभ वखते गावानी चीज, राग शहाना.	१—५
३	पाठ २. इश्वर प्रार्थनाविषे, राग अडाना.	६—१०
४	पाठ ३. इश्वर प्रार्थनाविषे, राग मालकौंस.	११–१६
५	पाठ ४. इश्वर प्रार्थनाविषे, राग शंकरा.	१७–१९
६	पाठ ५. देसकार रागनी विषे, राग देसकार.....	२०–२२
७	पाठ ६. इश्वर प्रार्थनाविषे, राग मियाकी मल्हार.	२३–२८
८	पाठ ७. भुपाली रागनीविषे, रा. भुपाली.	२९–३२
९	पाठ ८. राग हिंडोलना खुलासाविषे, राग हिंडोल.	३३–३६
१०	पाठ ९. इश्वर प्रार्थनाविषे, राग नटनारायण.	३७–३९
११	पाठ १०. उपदेशविषे, राग भूपाली.	४०–४३
१२	पाठ ११. इश्वरनी कृपाविषे, राग पूर्वी.	४४–४७
१३	पाठ १२. बोधविषे, राग सारंग.	४८–५१
१४	पाठ १३. इश्वर स्तुतिविषे, रा. मध्यमावती सारंग.	५२–५५
१५	पाठ १४ इश्वरभक्तिविषे, राग कौशी कानडा	५६–५९

पुस्तक ५ मुं.

श्री.

पुस्तक ५ मुं.

पाठ १.

लग्न समारंभ वखते गावानी चीज.

रा. शहाना ताल चतुश्रजाति तेताला मध्यकाल मात्रा १६.

अछिनीकि बनोसे बिहाना बनरा बनरी देख लुभाना, बनरा.
सुंदर दुला सुंदर दुलहन रंगसें रंगमिलाना, बनरा. गावत सबगुनि राग शहाना, बनरेको सुनाना.

१६ |||| स	ध ध नि प	पा प ध प म	प पा ध	
अ	छि नी कि	ब नो	से बि	
	—	7	—	

सा धा	नी प पा	म पा नि	प गा	म रि स रि
हा	ना	ब	न रा	ब
—	—	7	—	—

रि सा	री नी	स सा रि	मा रि	पा पा	म प म
न री	दे	ख लु	भा	ना	
—	7	—	—	—	7

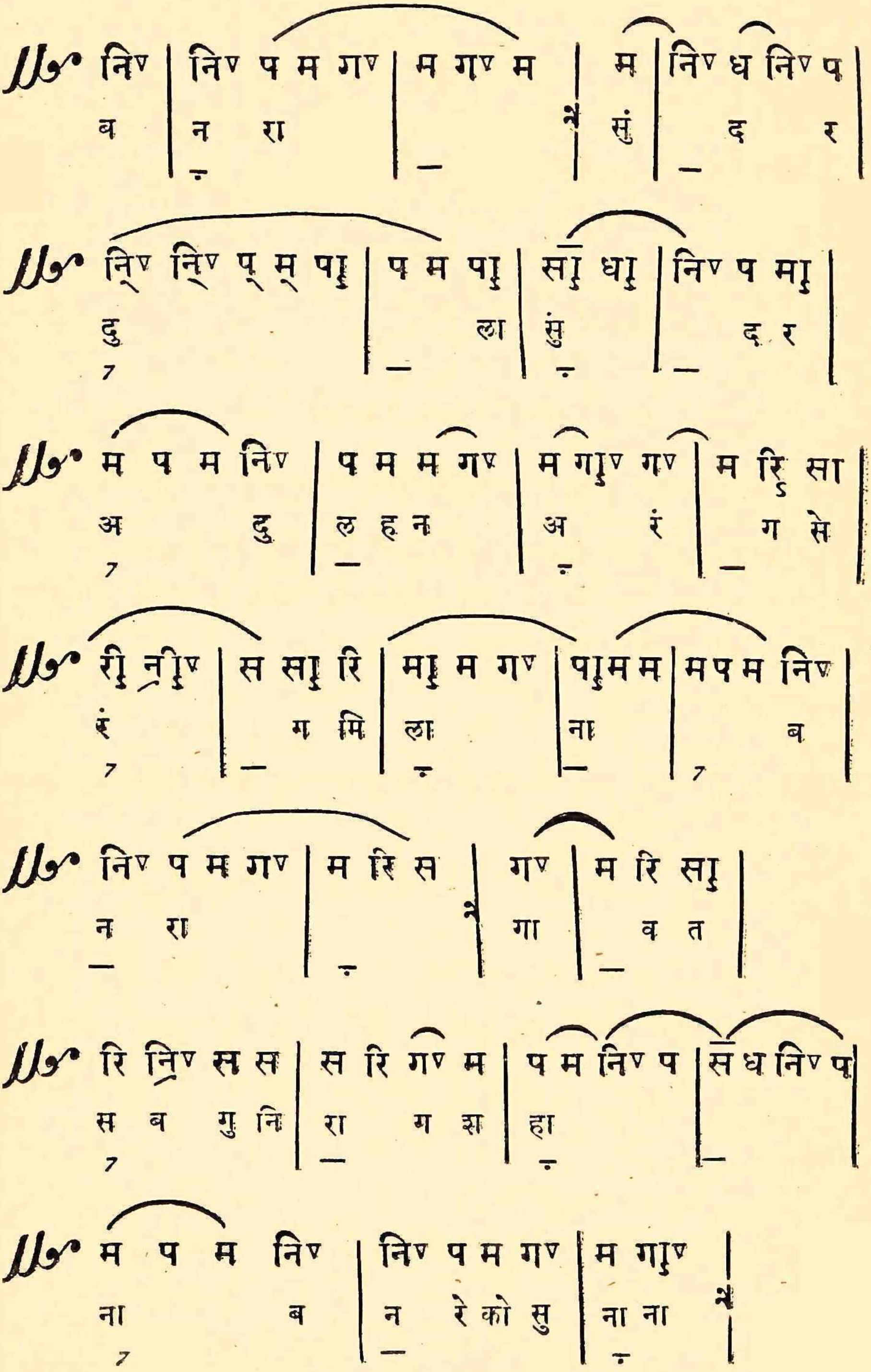
ब न रा सुं द र
दु ला सुं द र
अ दु ल ह न अ रं ग से
रं ग मि ला ना ब
न रा गा व त
स ब गु नि रा ग श हा
ना ब न रे को सु ना ना

तान १.

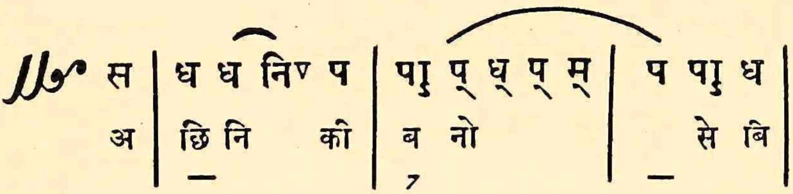

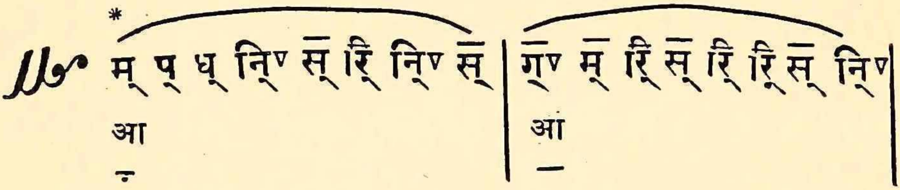

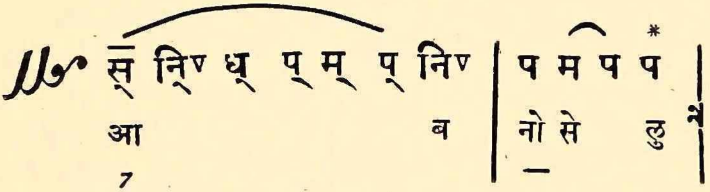

तान २.

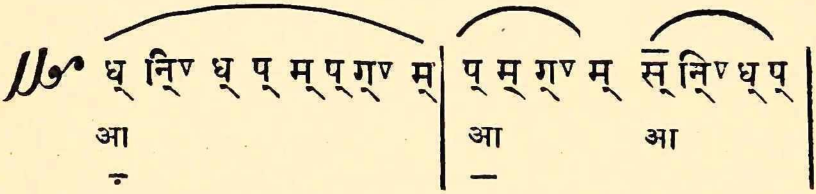

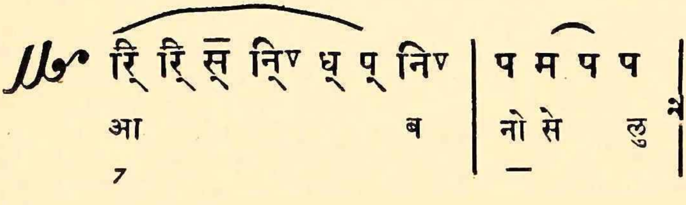

तान ३.

स् नि्ᵛ रि् स् रि् ग्ᵛ रि् स् | प् नि्ᵛ स् रि् स् नि्ᵛ स |
आ | आ
ˉ | —

ध् नि्ᵛ स् नि्ᵛ प निᵛ | प म प प |
आ ब | नो से लु
७ | —

तान ४.

ध् नि्ᵛ ध् प् ध् नि्ᵛ स | प् ध् प् म् ग्ᵛ म् प |
आ | आ आ
ˉ | —

ग्ᵛ म् री स निᵛ | प म प प |
आ ब | नो से लु
७ | —

तान ५.

रि् ग्ᵛ रि् स् रि् स् नि्ᵛ स् | ध् नि्ᵛ ध् प् म् प् ध् प् |
आ | आ आ
ˉ | —

नि्ᵛ नि्ᵛ ध् प् म् प् निᵛ | प म प प |
आ ब | नो से लु
७ | —

पाठ २.

ईश्वर प्रार्थनाविषे.

रा. अडाना ताल चतुश्रजाति चौताला मध्यकाल मात्रा १२.

सच्चित घन सुख कारक अनुपम देव दयालक, जयजग वंद हरे
अविचल शुभपद, दायक सृष्टी नायक हे प्रणत जन पति हे पालक.

१२ / ।।००

स स नि˅ प	म प नि˅ प	ग˅ म रि स
स च्चि त	घ न सु ख	का र क
॰ 7	— 7	— —

नि˅ प नि˅ स	री नि˅ प ग˅	म स रि स
अ नु प म	दे व द	या ल क
॰ 7	— 7	— —

नि˅ प नि˅ स	री नि˅ प ग˅	म रि ग˅ स
ज य ज ग	वं . द ह	रे
॰ 7	— 7	— —

म म प प	नि˅ प नि˅ सं	ग˅ म रिं सं
अ वि च ल	शु भ प द	दा य क
॰ 7	— 7	— —

ध रि सं रि | नि॰ सं नि॰ प | ग॰ म रि स |

सृ ष्टी | ना य क | हे

= 7 | — 7 | — —

सं सं रि सं | नि॒॰ प॒ नि॰ सं नि॒॰ प॒ | ग॰ म रि स ||

प्र ण त ज | न प ति हे | पा ल क

= 7 | — 7 | — —

तान १.

नि॒॰ स॒ स॒ रि॒ म॒ रि॒ म॒ | प प॒ प॒ नि॒॰ प॒ नि॒॰ प॒ |

स च्चि त्त घ न सु ख | का र क स च्चि त

— 7 | — 7

नि॒॰ नि॒॰ प॒ म॒ ग॒॰ म॒ रि॒ स॒ |

घ न सु ख का र क

— —

तान २.

नि्॰ स् नि्॰ स् रि् म् रि् म् | प नि्॰ प् नि॰ स् स् |
स च्चि त घ न सु ख | का र क स च्चि त |
— 7 | — 7 |

स् रि् नि्॰ स् नि्॰ प् म् प् |
घ न सु ख का र क ।
— — |

तान ३.

प् रि् स् रि् नि्॰ स् प् नि्॰ | प् नि्॰ स् नि्॰ स् नि्॰ प् म् |
स च्चि त घ न सु ख | का र क अ नु प म |
— 7 | — 7 |

नि्॰ स् नि्॰ प् ग्॰ म् रि् स् |
दे व द या ल क ।
— — |

तान ४.

रि् रि् रि् स् स् प् नि्॰ स् | ध् नि्॰ प् म् स् नि्॰ प् म् |
स च्चि त घ न सु ख | का र क अ नु प म |
— 7 | — 7 |

ध् नि्॰ प् म् ग्॰ म् रि् स् |
दे व द या ल क ।
— — |

तान ५.

म् म् म् म् प् नि् प् नि् | सं् सं् सं् सं् नि् रिं् सं् रिं् |
स च्चि त घ न सु ख | का र क अ नु प म |
— 7 | — 7

ा् सं् नि् प् ा् नि् म् प् |
दे व द या ल क २
— —

तान ६.

१
९
म् म् म् म् म् प् प् प् प् प् |
स च्चि त घ न सु ख का र क |
— 7

१
९
नि् प् नि् प् नि् नि् नि् सं् नि् सं् |
स च्चि त घ न सु ख का र क |
— 7

१
९
रिं् सं् रिं् नि् सं् नि् प् ग् म् रिं् |
अ नु प म दे व द या ल क २
— —

तान ७.

२ ७

॥ऽ स्‌ स्‌ स्‌ स्‌ स्‌ सू स्‌ रि रि्‌ रि रि |
स च्चि त घ न सु ख का र क हे
– ×

२ ७

॥ऽ प्‌ प्‌ ध्‌ प्‌ नि्‌ऽ प्‌ नि्‌ऽ नि्‌ऽ प्‌ नि्‌ऽ सं सं |
स त्‌ चि त घ न सु ख का र क हे
– ×

२ ७

॥ऽ रि्‌ रि्‌ रि्‌ स्‌ नि्‌ऽ स्‌ स्‌ नि्‌ऽ नि्‌ऽ प्‌ म० प्‌ |
स च्चि त घ न सु ख का. र क हे
– –

तान ८.

३ १ | ३ १

॥ऽ रि सं निऽ सं निऽ प्‌ स्‌ | प निऽ सं सं निऽ प्‌ म्‌ |
स च्चि त घ न सु ख | का र क अ नु प म
– × | – ×

३ १

॥ऽ निऽ प म गऽ म रि्‌ स्‌ ||
दे व द हे या ल क
– × – ×

१ खंडजाती तान २ मिश्रजाति तान. ३ तिश्रजाति. तान.

ટીપ-રાગ અડાનાની દરેક તાન લેતી વખતે પહેલાં (સચ્ચીત ઘન સુખ કારક) જે ઉપર નોટેશન સહ લખેલું છે તે ગાઈ પછીથી તાનોનો પ્રારંભ કરવો.

पाठ ३.

इश्वर प्रार्थनाविषे.

रा. मालकौंस ताल चतुश्रजाती तेताला मध्यकाल मात्रा. १६

दिल्ल जानसे मे सदके मे जादिया तुज दिठियामें हुवा निहाल,
दिनरट ना हे तेंडे नाम दी दिलु विच पाया लुकमान.

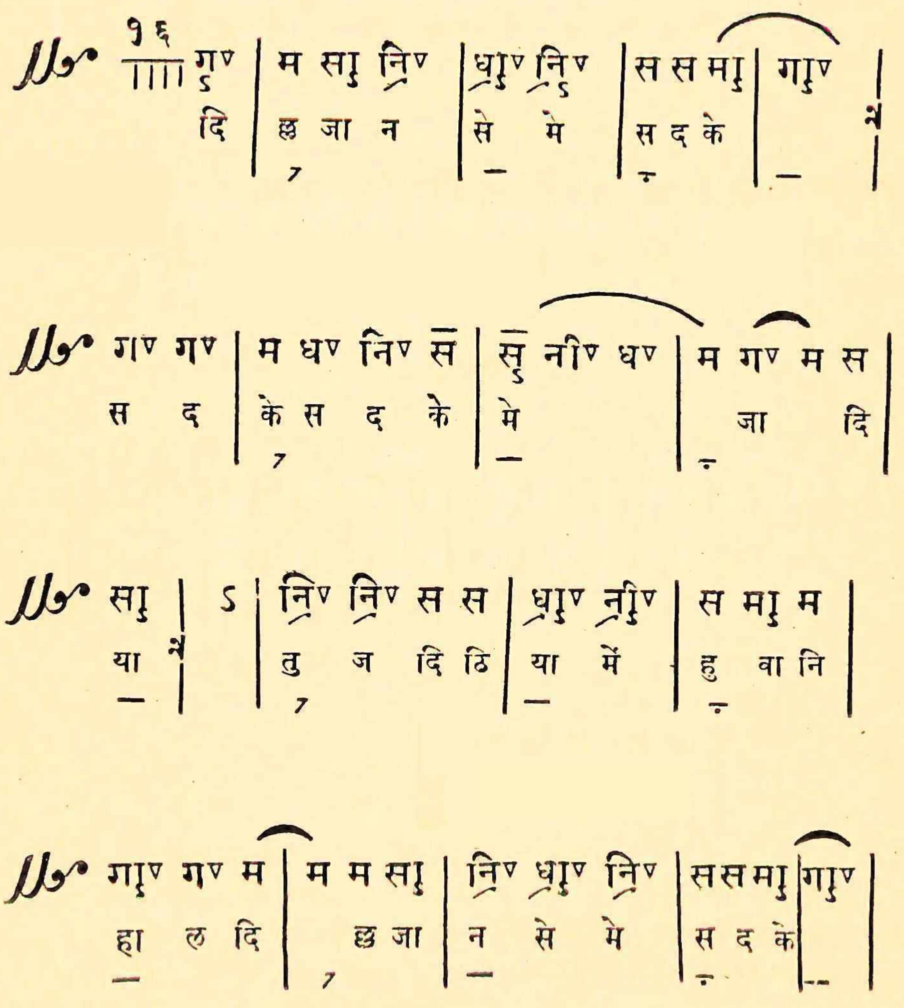

ऽ | निv निv धv निv | धv म म गv | म धाऽv
| दि न र ट | ना हे | ते डें

निv | सं सं सांऽ | सं निv धv निv | धv म म गv |
ना | _ म दी | दि लु बि च | पा या |

निv धाऽv म | गv गv गुऽv | सं नीv धv नीv |
लु क मा | _ न दि | दि लु बि च |

धv म म गv | निv धुऽv म | गv गv ||
पा या | लु क मा | _ न ||

तान १.

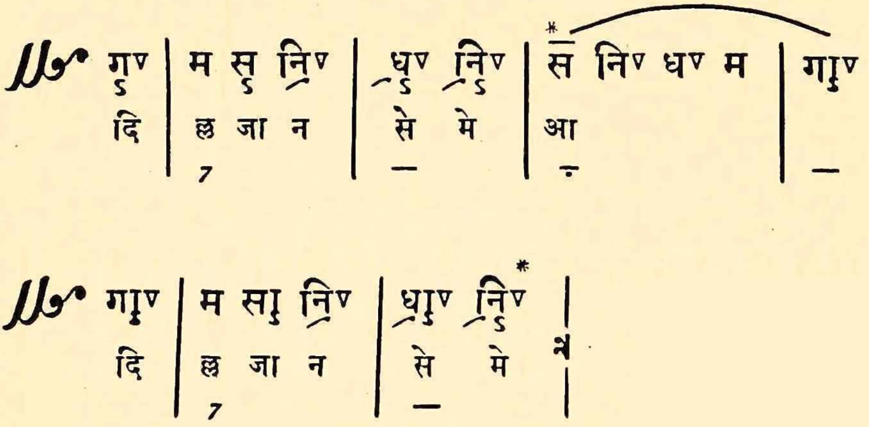

तान २.

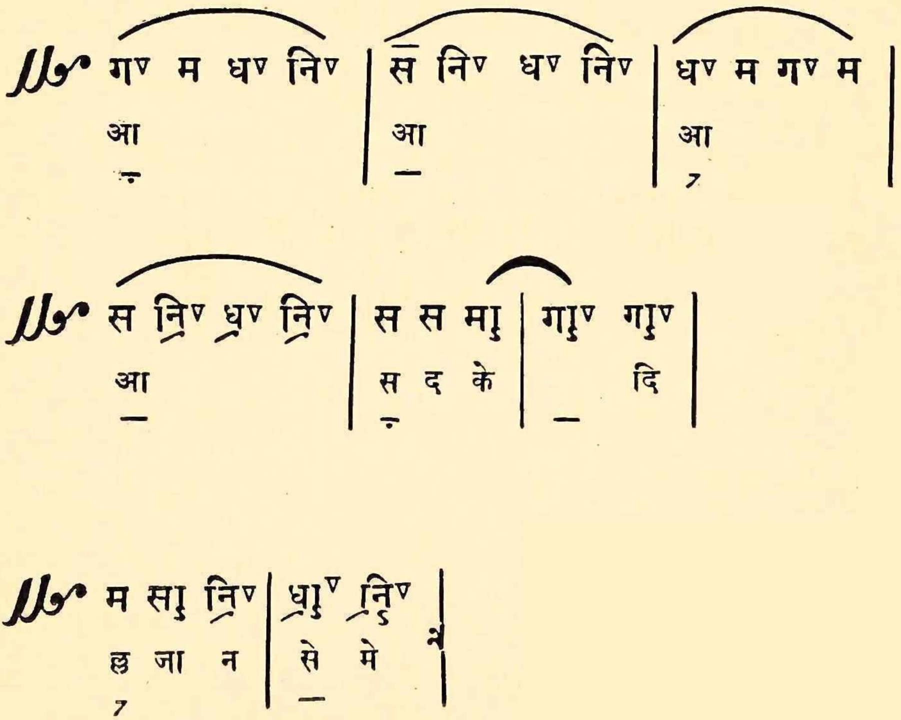

तान ३.

निᵛ निᵛ धᵛ निᵛ | निᵛ धᵛ निᵛ निᵛ | धᵛ धᵛ म गᵛ |
आ आ | आ | आ |

म धᵛ निᵛ सं | सं निᵛ धᵛ निᵛ | धᵛ म गाᵛ |
आ | आ | दि |

म सा निᵛ | धाᵛ निᵛ |
ल जा न | से मे |

तान ४.

निᵛ स गᵛ म | धᵛ म धᵛ निᵛ | सं निᵛ धᵛ निᵛ |
आ | आ | आ |

धᵛ म गᵛ म | सं निᵛ निᵛ धᵛ | धᵛ म गाᵛ |
आ | आ | आ दि |

म सा निᵛ | धाᵛ नीᵛ |
ल जा न | से मे |

तान ५.

स स गᵛ गᵛ	म म धᵛ धᵛ	निᵛ निᵛ स̄ स̄
आ		आ
—	—	7

निᵛ निᵛ धᵛ धᵛ	स̄ निᵛ धᵛ म	म गᵛ गᵛ
आ	आ	दि
—	—	—

म स निᵛ	धᵛ नीᵛ
ळ जा न	से मे
7	—

तान ६.

म गᵛ स म	गᵛ स म गᵛ	म धᵛ निᵛ स
आ आ	आ	आ
— —		7

स̄ निᵛ धᵛ निᵛ	धᵛ म गᵛ म	गᵛ स गᵛ
आ		दि
—	—	—

म स निᵛ	धᵛ नीᵛ
ळ जा न	से मे
7	—

तान ७.

म म गv गv | धv धv म म | निv निv धv निv |
आ | — | आ |

स̄ स̄ निv धv | निv निv धv म | गv म ग।v |
आ | आ | — दि |

म स। नि॒v | ध॒।v नी॒।v ||
ल्ल जा न | से मे ||

पाठ ४.

इश्वरप्रार्थनाविषे.

राग. शंकराभरण. ताल झुमरा. मध्यकाल मत्रा १४.

गावुं हुं तुमारो प्रभु शुभ नाम, करुमे प्रणाम प्रेमे अंभावसे;
प्रभु मुज देवो पद अविचल, करोगे सुफल इच्छा हमारी.

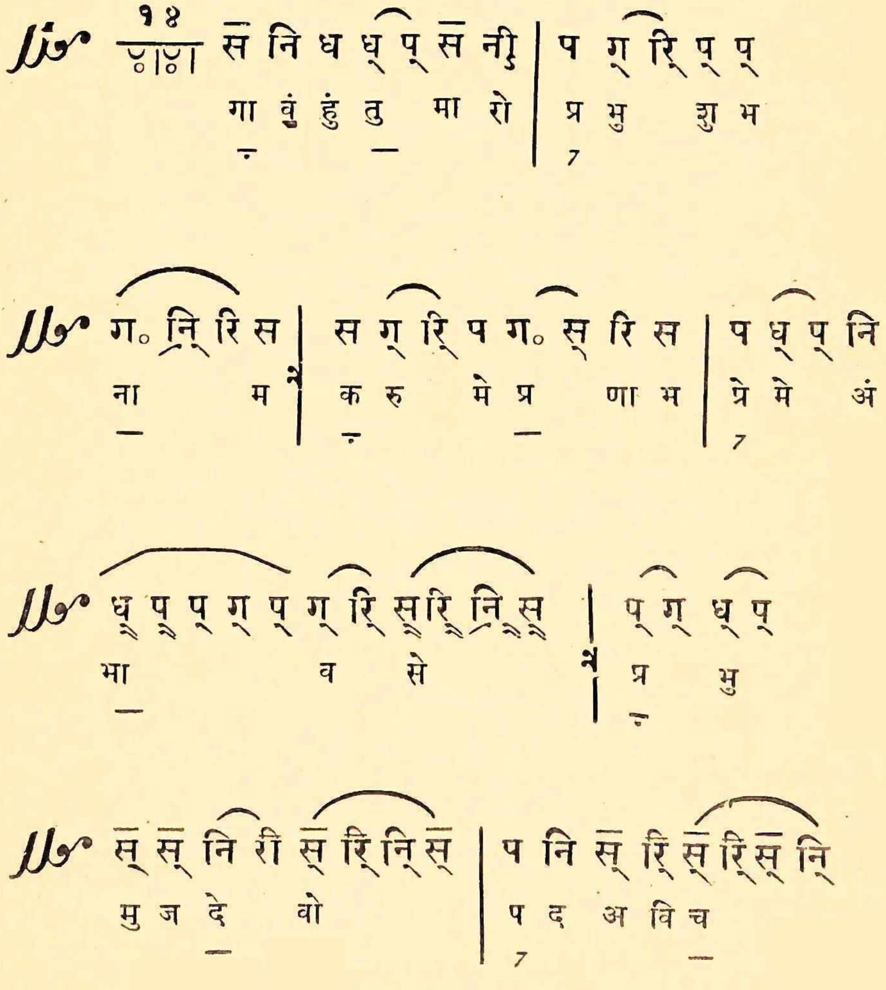

धॣ पॣ पॣ ग | ग रि स स् रि् स् नि् स नि |
ल | क रो गे सु फ ल |

प० ग प् ग० स् री स |
इ च्छा ह मा री |

तान १.

स नि ध ध् प् स नी | प ग् रि् प् प् ग० नि् री स |
गा वुं हुं तु मा रो | प्र भु शु भ ना म |

ग् रि् स् नि् ध् प् प री स् रि् स् नि् | प् ग् ग् रि् |
गा वुं हुं तु मा रो | प्र भु

नि् नि् स् रि् स् नि् ध् प् ग् रि् |
शु भ ना म |

तान २.

स नि ध ध् प् स नी | रि स् नि् ध् प् ग् रि् स् नि
गा वुं हुं तु मा रो | प्र भु शु भ ना

प् नि् स् रि् |
म

तान ३.

स नि ध ध् प् स नी | ग् रि् स् नि् प् नि्
गा वुं हुं तु मा रो | प्र भु शु भ

नि् रि् स् नि् प् नि् स् रि् |
ना म

तान ४.

स नि ध ध् प् स नी | रि स् नि् ध् प् रि् रि्
गा वुं हुं तु मा रो | प्र भु शु भ

नि् स् रि् स् नि् ध् प् ग् रि् ||
ना म

पाठ ९ .

देसकार रागनीविषे.

रा. देसकार ताल झुमरा विलंबकाल मात्रा १४.

देसकार कंचन बरन खेलत पियाके संग,
हिये उल्हासहे कामको चढ्यो जोबन अंग.

𝄞 १४ ऽ।ऽ। नि् री | ग प ग स् रि् स् नि् ध् प् ग गा् री्
दे स | का र कं च न ब र न

𝄞 सा् | री ग प धा् री् सं ध प ग री | नि् री
खे | ल त पि या के सं ग | दे स

𝄞 ग प ग स् रि् स् नि् ध् प् ग गा् री् | *नि् री |
का र कं च न ब र न | दे स |

ग ग प धा ग प प ध स रि स ध प |
हि ये उ ल्हा स हे का म को

ग रि स सा ध प ध स रि रि स नि ध प ग रि * |
च ढ्यो जो ब न अं ग

तान १.

नि रि | ग प ध स रि स ध प ग रि स रि स नि |
दे स | आ आ

ग गा रि |
ब र न

तान २.

नि रि | ग रि स नि रि स ध प ग रि प ग रि स |
दे स | आ आ आ

ग गा रि |
ब र न

तान ३

नि रि | नि॒ रि॒ ग॒ रि॒ ग॒ प॒ ध॒ प॒ ग॒ रि॒
दे स | आ आ
७ —

प॒ ग॒ रि॒ स॒ | ग ग रि |
आ | ब र न
| ऽ —

तान ४.

नि री | स॒ रि॒ रि॒ ग॒ ग॒ प॒ प॒ ध॒ ध॒ स॒ ध॒ प॒ ग॒ रि॒ |
दे स | आ
७ —

ग ग रि |
ब र न
ऽ —

तान ५

नि री | ग॒ रि॒ स॒ ध॒ रि॒ स॒ ध॒ प॒ स॒ ध॒ प॒ ग॒ रि॒ स॒ |
दे स | आ आ आ
७ —

ग ग रि ||
ब र न
ऽ —

पाठ ६.

इश्वरप्रार्थनाविषे.

रा. मियाकी मल्हार चतुश्रजाति तेताला मध्यकाल मात्रा १६.

मोज अपनी दरसादे मौला मेरा, नदीनारे भर पूर चलादे; मेहेर अब करो, हमरे पापको ना लक्ष धरो, तरसावो क्यौं प्रभू घरिमे झरि लगादे

१६
| | | | न्रि स् रि ग्ऽ म् रि स् | स् रि न्रि स् ध् न्रिऽ प्
मो ज अ | प नि द र
7 | —

प्र म्र न्रिऽ ध्र | न्रि स रि स | स ध ध ध | निऽ प म प
सा दे | मौ ला मे रा | न दी ना | रे भ र

ध् नि स ध् प् गऽ | म स रि स | प प प म |
पू र च | ला दे | मे हे र |

निऽ ध नी | सां सां | नि सं रीं | गां मां | रीं सां |
अ ब | क रो | ह म रे | पा प | को ना |

स रि नि स | ध नि॰ प ऽ | ऽ ऽ स् रि् नि् स |
ल क्ष | ध रो | त र सा वो |

ध नि॰ म प | ध् नि् स नि॰ प | म् प् ध्॰ ग्॰ ग्॰
क्यौ प्र भू | घ रि मे | झ रि

म् रि् स् |
ल गा दे |

तान १.

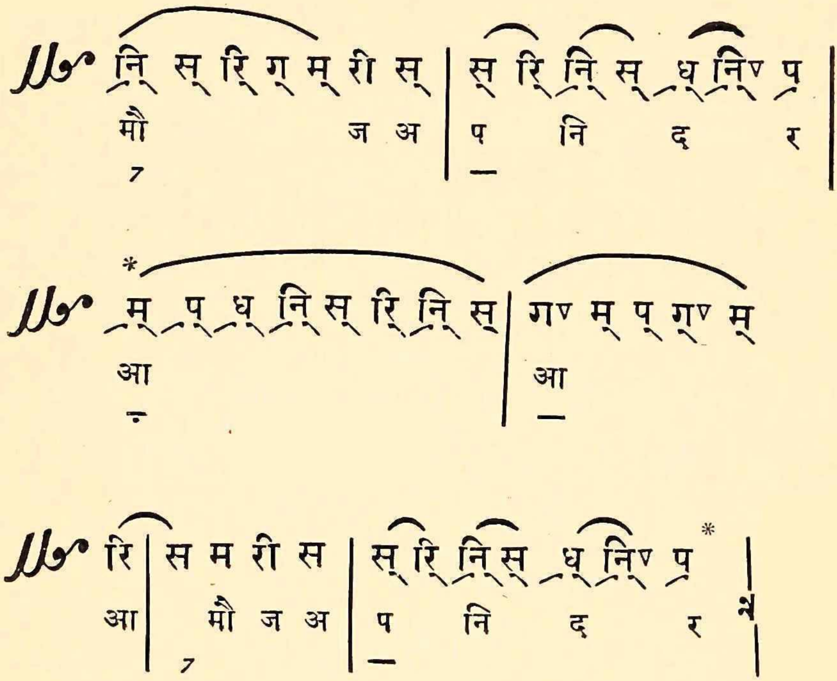
नि् स् रि् ग् म् री स् | स् रि् नि् स् ध् नि् प्
मौ ज अ | प नि द र
म् प् ध् नि् स् रि् नि् स् | ग म् प् ग् म्
आ | आ
रि | स म री स | स् रि् नि् स् ध् नि् प्
आ | मौ ज अ | प नि द र

तान २.

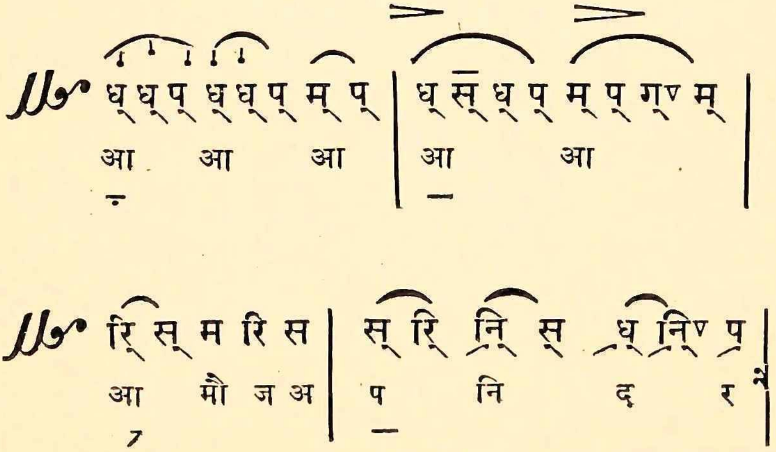
ध् ध् प् ध् ध् प् म् प् | ध् स् ध् प् म् प् ग् म्
आ आ आ | आ आ
रि् स् म रि स | स् रि् नि् स् ध् नि् प्
आ मौ ज अ | प नि द र

तान ३.

म प् ध् नि् स् रि् स् | नि् स् ध् प् म् प् ग्ऽ म् |
आ | आ

रि् स् म री स | स् रि् नि् स् ध् नि्ऽ प् |
आ मौ ज अ | प नि द र

तान ४.

रि् स ध प् म | प् ध् नि् स् ध् प् ग्ऽ म् |
आ | आ आ

रि् स् म रि स | स् रि् नि् स् ध् नि्ऽ प् |
आ मौ ज अ | प नि द र

तान ५.

म् म् रि् प् प् म् ध् ध् | प् ध् नि् स् रि् स् ध् प् |
आ आ आ | आ आ |

ग्ऽ म् रि् स् म रि् स् | स् रि् नि् स् ध् नि्ऽ प् |
आ मौ ज अ | प नि द र |

तान ६.

ग्ऽ म् रि् स् रि् स् ध् प् | म् प् ध् स् ध् प् ग्ऽ म् |
आ आ | आ आ |

रि् स् म रि स | स् रि् नि् स् ध् नि्ऽ प् |
आ मौ ज अ | मौ ज |

तान ७.

१ ३ | १ ३

प्‌ म्‌ नि्‌ ध्‌ स नि्‌ | रि स प ग म स |

आ | आ

रि्‌ स्‌ म रि स | स्‌ रि्‌ नि्‌ स्‌ ध्‌ नि्‌ प्‌ ||

आ मौ ज अ | प नि द र ||

---

१ तिश्रजातीतान.

पाठ ७.

भूपाली रागनी विषे.

रा॰ भूपाली ताल चतुश्रजाति आडा चौताला मध्यकाल मात्रा १४.

भूपाली बिरहन खरी, केसर बोरी चीर;
भयो बिरहकी ज्वाला ते पीरो भयो सब शरीर.

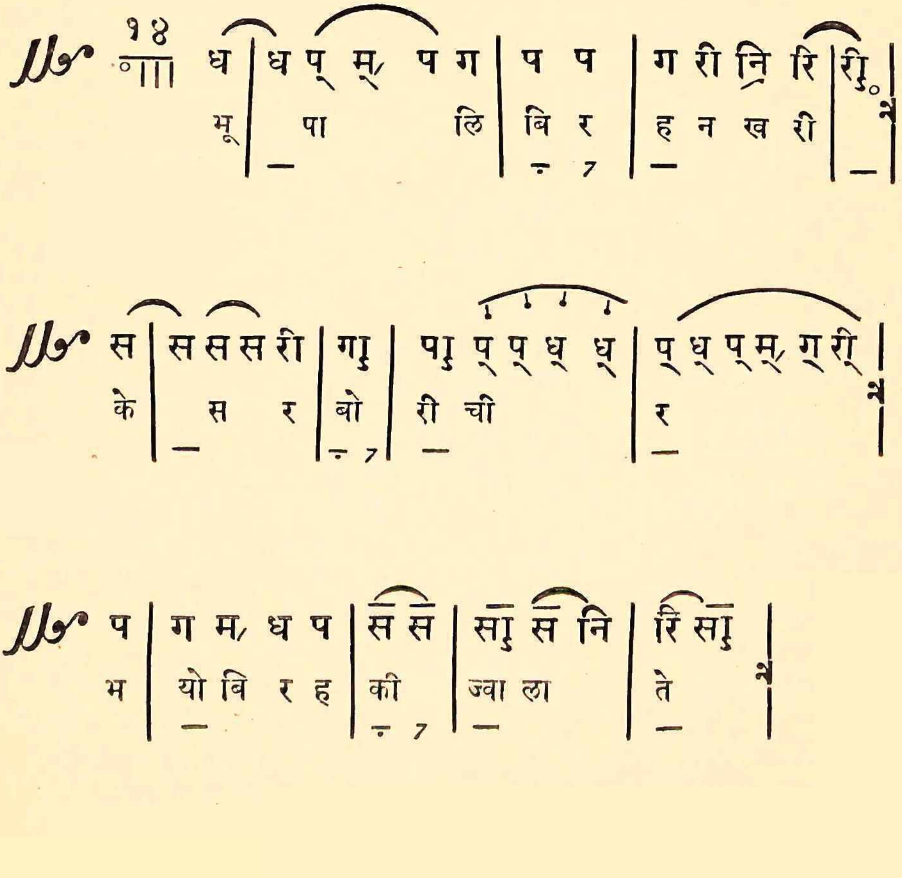

ग | गा रीं॰ | स् रि् स् नि् | ध् प् ध स् स् रि् रि् |
पी | ऽ रो | भ यो | स व श |
| — | ॰ ७ | — |

स् रि् स् नि् ध् प् |
री र २
—

तान १.

ध | ध प् म् प ग | प् म् ध् प् | स् नि् ध् प् |
मू | पा लि | आ | आ |
| — | ॰ ७ | — |

ग् प् ध् प् | ग् प् ग् रि् स |
आ | आ २
| — |

तान २.

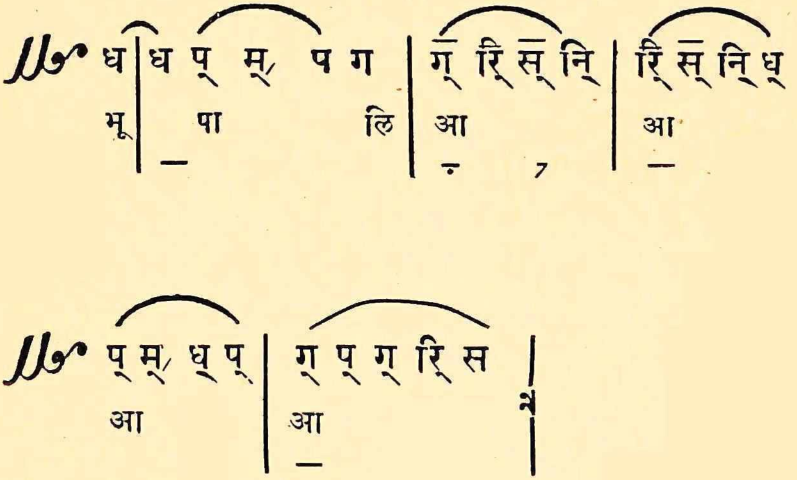

ध ध प् म् प ग ग् रि् स् नि् रि् स् नि् ध्
भू पा लि आ आ
प् म् ध् प् ग् प् ग् रि् स
आ आ

तान ३.

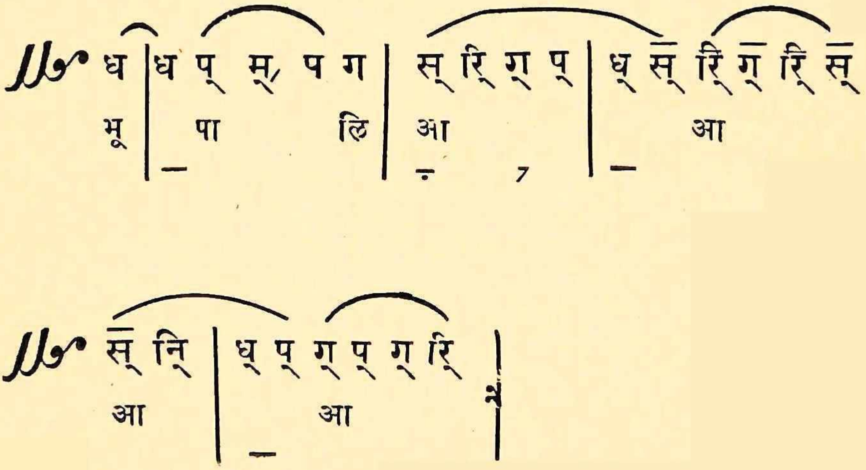

ध ध प् म् प ग स् रि् ग् प् ध् स् रि् ग् रि् स्
भू पा लि आ आ
स् नि् ध् प् ग् प् ग् रि्
आ आ

तान ४.

ध | ध प् म् प ग | रि् स् नि् ध् | स् नि् ध् प्
भू | पा लि | आ | आ

प् म् ध् प् | ग् प् ग् रि् स |
आ | आ

तान ५.

ध | ध प् म् प ग | ग् ग् रि् ग् | ग् रि् स् रि्
भू | पा लि | आ | आ

स् नि् ध् प् | स् नि् ध् प् ग् रि् ||
आ | आ

पाठ ८.

राग हिंडोलना खुलासाविषे.

रा. हिंडोल ताल चतुश्राति तेताला मध्यकाल मात्रा १६.

प्रथम श्रवन करो राग येतो आडोहि बखानोहे,
हिंडोल मान्योहे, यमनके थाटमे रि, प, सुरछोडके, पंचतत्व खरोहे

१६ ||||	सं नि ध नि	ध म/ ग	सा॰ स	स स ग स
	प्र थ म श्र	व न क	रो रा	ग ये तो
	7	—	॰	—

म/ नि ध म/	ग सा स	सां नि ध	म/ गा स
आ डो हि ब	खा नो हे	हिं डो ल	मा न्यो हे
7	—	॰	—

ग ग ग ग	म/ ध सं सं	सं गं सं नि	नि ध म/ ग
य म न के	था ट मे रि	प सु र	छो ड के
7	—	॰	—

सां नि ध	नि धा सं	नि ध म/ ग	गा सा
पं च त	त्व ख	रो	हे
7	—	॰	—

तान १.

| स नि ध नि | धा मा, ग | स ग म ध नि स स नि |
| प्र थ म श्र | व न क | आ |

| ध नि स नि ध म ग स |
| आ |

तान २.

| स नि ध नि | ध मा, ग | ग ग स ग ग स स नी |
| प्र थ म श्र | व न क | आ |

| ध नि स नि ध म ग स |
| आ |

तान ३.

सं नि ध नि | ध मा, ग | गं सं नि सं नि ध |
प्र थ म श्र | व न क | आ आ
7 | — | ⁓

नि ध म ध म ग |
आ आ
—

तान ४.

सं नि ध नि | ध मा, ग | ध नि सं गं सं नि
प्र थ म श्र | व न क | आ
7 | — | ⁓

ध नि | सं गं सं नि सं नि ध म |
आ आ
— |

तान ५.

सं	नि	ध	नि	|	ध	म	ग	|	ग्	ग्	ग्	स्		स्	नि्	नि्	ध्	|		
प्र	थ	म	श्र	|	व	न	क	|	आ					आ				|		

स्	नि्	नि्	ध्	ध्	म्	म्	ग्	‖
आ				आ				

पाठ ९.

ईश्वर प्रार्थनाविषे.

रा. नटनारायणी ताल चतुश्रजाति तेताला मध्यकाल मात्रा १६.

भव भय हर सुरवर तारक गुरू, हरी हर विधी वंदित पद;
परम महिमा जगनुत त्राता, सुखकर पूता देवि वंदित पद.

१६ रि ग रि म | ग री स नि़ | प़ नि़ स़ रि़ म़ प़ |
भ व भ य | ह र सु र | व र ता

म़ ग़ ग री स | स म ग म | पा पा | सां प ग | म
र क गु रू | ह री ह र | वि धी | वं दि त |

ध़ प़ म़ ग़ रि़ स़ | ग म प नि | सां सां |
प द | प र म म | ही मा |

रि ग रि म | ग् रि् स् नि् प् म् ग् म् | ग म प स |
ज ग नु त | त्रा ता | सुख क र |

री सा | पा ग म | ध् प् म् ग् री् ग् स |
पू ता | दे वि वं | दि त प द |

तान १.

रि् म् ग् म् प् म् ध् प् | स् नि् ध् प् म् ग् रि् स् |
आ आ आ आ | आ आ |

तान २.

स् रि् नि् स् प् ध् म् प् | रि् प् म् ग् म् ग् रि् स् |
आ आ | आ आ |

तान ३.

रि म ग रि स नि ध प | प म ध प म ग रि स |

आ | आ

तान ४.

स रि म ग ग म प म | ध प म ग म ग रि स |

आ आ | आ आ

तान ५

प म ध प स नि ध प | रि स नि ध प म ग रि |

आ आ | आ आ

तान ६.

ध नि स रि स रि ग म | प म ध प म ग रि स ||

आ आ | आ आ

टीप—उपरना पाठमां दरेक तान लेती वखते पेहेलां (भवभयहर सुर) जे उपर नोटेशन सह लखेलुं छे ते गाई पछीथी तानोनो आरंभ करवो.

पाठ १०.

उपदेशविषे.

रा. भुपाली ताल चतुश्रजाति तेताला मध्यकाल मात्रा १६.

सूधे बोल नर करत हे विद्या धन की मरोर,
वाचा हे अमोल वृथा नाही खोल सत्य शब्द बोल हे नर.

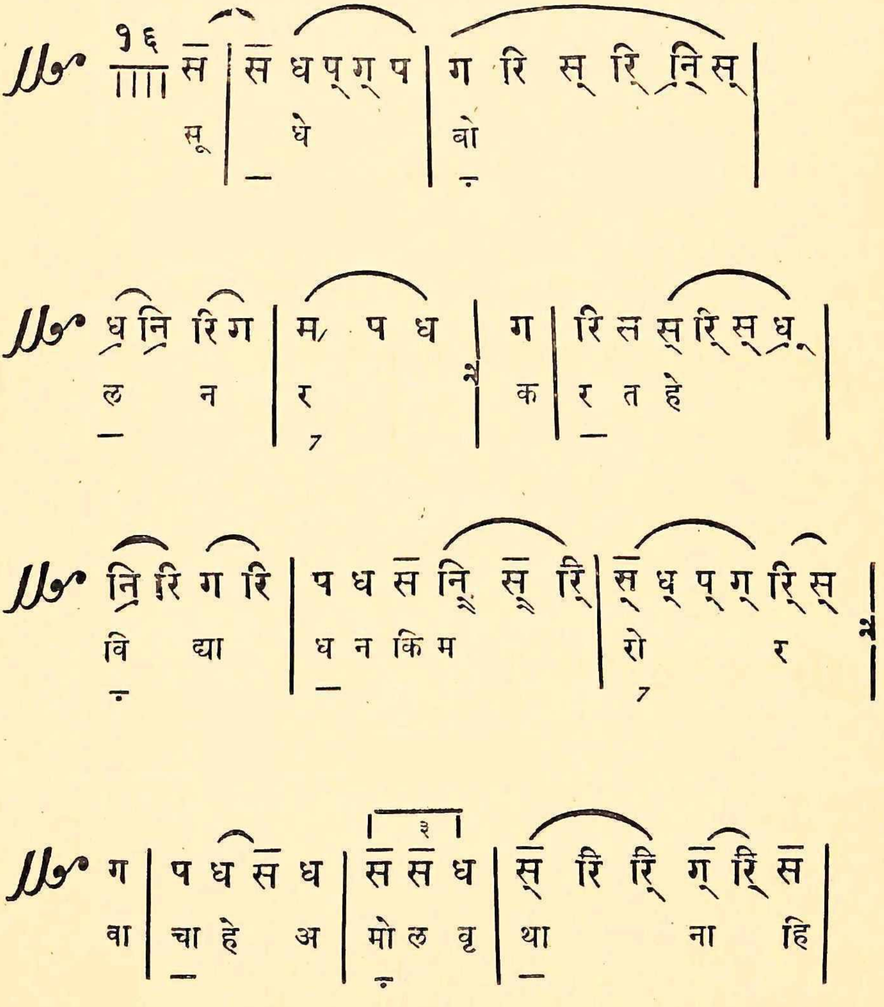

सं ध प ग ग	रिं सं ध प	ग रि स ा रि
खो ल स	त्य श ब्द	बो ल हे

ग प ध सं	सं रिं सं नि ध प
न र	हे

तान १०.

स रि ग प ध सं रिं गं	रिं सं सं नि ध प प म
आ	आ

ध प ग रि स
आ

तान २.

नि् रि् ग् रि् स् रि् स् ध् | स् ध् प् म् ध् प् ग् प्
आ आ | आ आ

ध् प् ग् रि् स |
आ

तान ३

स् ग् ग् स् रि् रि् ध् स् | स् प् ध् ध् प् म् ध् प् |
आ आ आ | आ आ

ध् प् ग् रि् स |
आ

तान ४.

ग् ग् स् स् रि् रि् स् स् | स् स् ध् ध् ध् ध् म् प् |

आ आ | आ आ

प् प् ग् रि् स |

आ

तान ५.

ग् रि् स् रि् स् ध् स् ध् | प् ध् प् म् प् ग् रि् स् |

आ आ आ | आ आ

ध् प् ग् रि् स ||

आ

टीप–उपरना भुपालीना पाठमां दरेक तान लेती वखते प्रथमारंभी

स | स ध प् म् प | एटलो भाग गाइ पछीथी तानोनो प्रारंभ करवो.

सु | धे |

पाठ ११.

ईश्वरनी कृपाविषे.

रा. पूर्वी ताल ताल चतुश्रजाति तेताला मध्यकाल मात्रा १६.

प्रभु परम कृपासें सुख वाणी बढेंहे, प्रभु परम कृपासें पंगु गिरि चढेहे;
प्रभु परम कृपासें छत्र शिर धरेहे, प्रभु परम कृपासें संपत्ति सुख बढेहे.

१६ रि | नि स ग म | नि म प | म ग म प
प्र | भु प र म | कृ पा सें | मु ख वा

म प | म ग रि ग | ग | म ध नि सं |
णि | ब ढें हे | प्र | भु प र म |

रि नि म ध | म ग म प म प | म ग रि ग |
कृ पा सें | पं गु गि री | च ढे हे |

ध | ग म ध नि | सं रि नि सं | नि ध नि सं |
प्र | भु प र म | कृ पा सें | छ त्र शि र |

नि म॑ प ध | म॑ प म ग | म॑ ध रि॒ सं |
ध रे हे प्र | भु प र म | कृ पा सें |

सं नि म॑ प॒ ध॒ | म॒ प॒ ग॒ म॒ ग |
सं प त्ति सु ख | ब ढें हे |

तान १.

रि॒ | नि॒ स ग म॑ | नि॒ रि॒ ग॒ रि॒ ग॒ म॒ प॒ ध॒ |
प्र | भु प र म | अ अ अ अ |

नि॒ नि॒ ध॒ प॒ म॒ प॒ ध॒ प॒ | म॒ प॒ म॒ प॒ ग॒ म॒ |
आ आ | आ आ आ |

तान २.

रि॰ | नि् स ग म | ध् नि् ध् प् म् प् ध् प् |
प्र | भु प र म | आ आ |

नि् नि् ध् प् म् प् ध् प् | ग् म् रि् म् ग ॥
आ आ | आ |

तान ३.

रि॰ | नि् स ग म | रि् स् नि् ध् स् नि् ध् प् |
प्र | भु प र म | आ आ |

नि् ध् म् प् ग् म् प् ध् | प् म् ग् म् ग ॥
आ आ | आ |

तान ४.

॥ रि | नि स ग म | ग ग रि स रि रि स नि |
प्र | भु प र म | आ आ |

॥ स नि ध प म प ध प | म प ग म ग ॥
आ अ अ अ | आ आ ॥

तान ५.

॥ रि | नि स ग म | म ध नि ध म प ध प |
प्र | भु प र म | आ आ |

॥ ग म प म रि ग म ग | नि रि ग रि ग ॥
आ आ | आ ॥

पाठ १२.

बोधविषे

रा. सारंग ताल चतुश्रजाति तेताला मध्यकाल मात्रा १६.

चातर चकुवा चतरनर, नित उठ रहत उदास;
खर घू घू मुरख पशु, सदा सुखी पृथु राज.

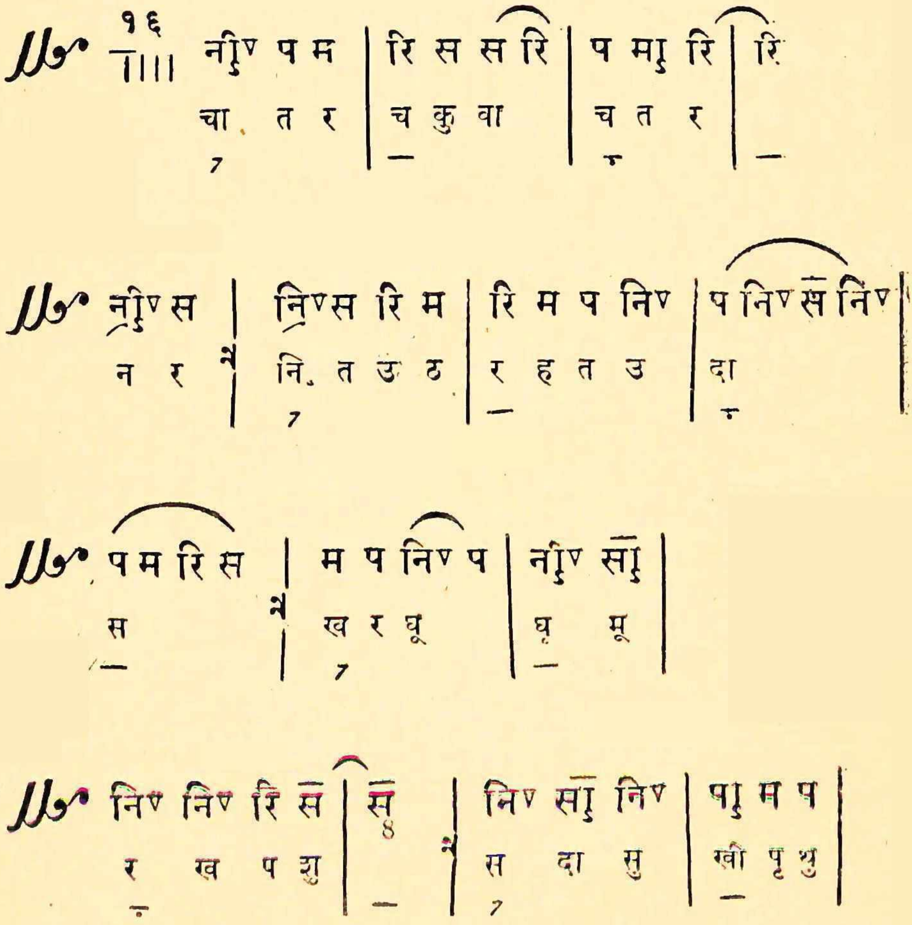

रि॒ रि॒ स॒ नि॒ऽ स॒ स॒ नि॒ऽ प॒ |
रा

नि॒ऽ नि॒ऽ प॒ म॒ नि॒ऽ नि॒ऽ म॒ प॒ ॥
ज

तान १.

नी॒ऽ प म | रि स स रि | स॒ रि॒ म॒ रि॒ म॒ प॒ म॒ प॒ |
चा त र | च कु वा | आ आ आ

नि॒ऽ नि॒ऽ प॒ म॒ नि॒ऽ नि॒ऽ म॒ प॒ ॥
आ आ

तान २

॥ नीऽप म | रि स स रि | म् म् रि् स् प् म् रि् स् |
चा त र | च कु वा | आ आ

॥ नि्ऽ नि्ऽ प् म् नि्ऽ नि्ऽ म् प् |
आ आ

तान ३.

॥ नीऽप म | रि स स रि | नि्ऽ स् रि् म् रि् स् रि् स् |
चा त र | ड कु वा | आ

॥ नि्ऽ स् नि्ऽ प् म् प् नि्ऽ स् |
आ आ

तान ४.

नीॖ॰ प म | रि स स रि | स् रि् म् रि् म् प् नि्॰ प् |
चा त र | च कु वा | आ आ अ |

नि्॰ स् रि् स् रि् स् नि्॰ प् |
आ

तान ५.

नीॖ॰ प म | रि स स रि | रि् म् म् रि् म् म् रि् स् |
चा त र | च कु वा | आ आ अ |

नि्॰ स् रि् स् नि्॰ प् म् प् ||
आ आ

पाठ १३.

ईश्वर स्तुतीविषे

रा. मध्यमावतीसारंग ताल चतुश्रजाति तेताला मध्यकाल मात्रा १६.

जय जय प्रभु ब्रह्मचिद् घना, पतित पावना पाप मोचना;
प्रणमिये अमे धारिके रती, प्रभु परात्परा प्रेरसन्मती.

१६
।।।। प म नि॰ प | नि॰ नि॰ प म रि रि नि॰ स |
ज य ज य | प्र भु

रि म रि प | म रि प म रि नि॰ स | रि नि प नि॰ | स
ब्र ह्म चि | द् घ ना | प ति त पा |

स रि म रि म | प नि॰ प म प | नि॰ नि॰ प म
व ना | पा प मो | च

रि स नि॰ स | म प नि॰ नि॰ | प नि॰ सा |
ना | प्र ण मि ये | अ मे |

नि॒ स॒ रि स नि॒ स॒ | नि॒ रि॒ स॒ नि॒ नि॒ प॒ म॒ प॒ |
धा रि के | र ती २
७ | —

प म री स | स स स | नि॒ प म॒ प॒ | नि॒ नि॒ प॒ म॒
प्र भु प रा | त्प रा | प्रे र स | न्म
– | — | ७ | —

रि॒ स॒ नि॒ स॒ |
ती २

तान १.

प म नि प | नि॒ नि॒ प॒ म॒ रि॒ रि॒ नि॒ स॒ |
ज य ज य | प्र भु
– | —

नि॒ स॒ रि॒ म॒ रि॒ म॒ प॒ नि॒ | स॒ नि॒ प॒ म॒ रि॒ म॒ रि॒ स॒ |
आ आ | आ आ २
७ | —

तान २.

प म नि प | नि् नि् प् म् रि् रि् नि् स् |
ज य ज य | प्र भु |

स् रि् म् प् रि् म् प् नि् | प् नि् स् रि् स् नि् प् म् |
आ आ | आ आ |

तान ३.

प म नि् प | नि् नि् प् म् रि् रि् नि् स् |
ज य ज य | प्र भु |

रि् स् नि् प् स् नि् प् म् | नि् नि् प् म् नि् नि् म् प् |
आ आ | आ आ |

तान ४.

प म नि॒ प | नि॒ नि॒ प॒ म॒ रि॒ रि॒ नि॒ स॒ |
ज य ज य | प्र भू |

नि॒ रि॒ स॒ नि॒ स॒ नि॒ प॒ म॒ | नि॒ नि॒ प॒ म॒ प॒ म॒ रि॒ स॒ |
आ आ | आ आ |

तान ५.

प म नि॒ प | नि॒ नि॒ प॒ म॒ रि॒ रि॒ नि॒ स॒ |
ज य ज य | प्र भु |

स॒ रि॒ म॒ प॒ नि॒ स॒ स॒ नि॒ | प॒ म॒ रि॒ म॒ प॒ म॒ रि॒ स॒ ||
आ आ | आ आ |

पाठ १४.

ईश्वर भक्तिविषे.

रा. कौशी कानडा ताल चतुश्रजाति तेताला मध्यकाल मात्रा १६.

परु तेरे पाय निस दिन प्रभु, अंतरता तू आत्माराम; सार्थक तनुके काम वांछित शाश्वत सौख्या कारन जानू न अन्य उपाय.

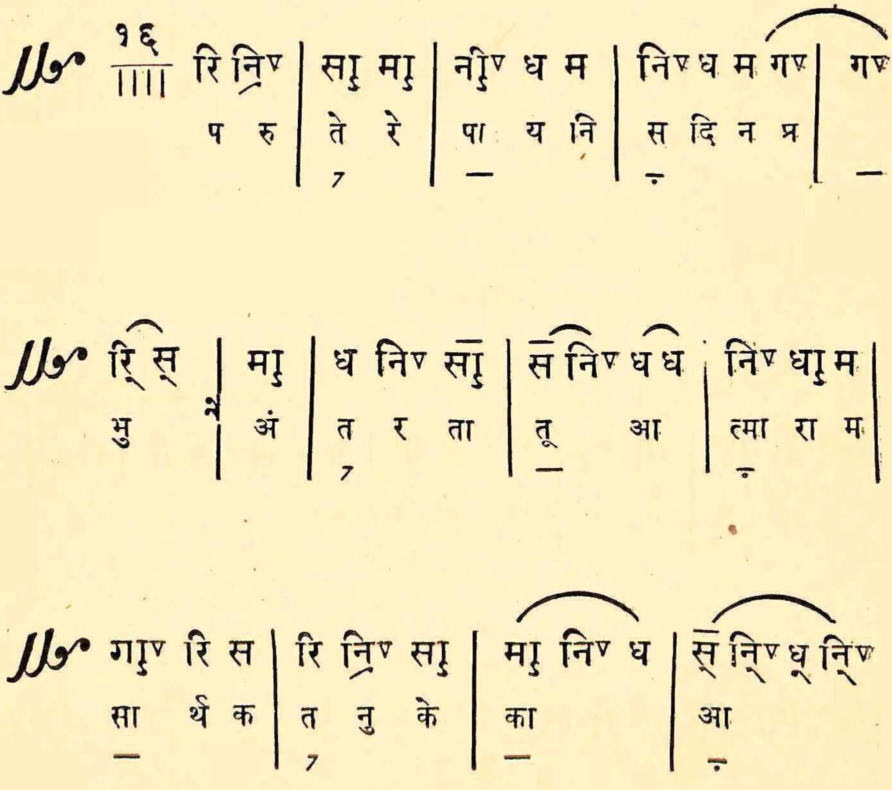

स् नि॒ ध् म्	ग॒ रि् स	रि नि॒	मऽ ध नि॒
आ	म	प रु	वां छि त

सऽ नि॒ स	म ग॒ रि स	नि॒ स् रि नि॒ ध	स नि॒ स रि
शा श्व त	सौ ख्या	का र न	जा नु न

स नि॒ ध ध	स् रि् स् नि॒ ध् म् नि॒	ध् म् ग॒ रि्
अ न्य उ	पा	य

तान १.

रि नि	सऽ मऽ	नीऽ ध म	म ध् नि॒ स् रि् नि॒ स्
प रु	ते रे	पा य नि	आ

नि॒ ध् म ग॒ रि् नि॒
आ प रु

तान २.

सा मा | नी ध म | ग रि नि |
ते रे | पा य नि | आ |

ध म् ग् रि् स् रि् नि् |
आ प रु |

तान ३.

सा मा | नी ध म | ध् नि् सं नि् ध् नि् ध् म् |
ते रे | पा य नि | आ |

ध् नि् ध् म् ग् रि् रि् नि् |
आ प रु |

तान ४.

सा॒ मा॒	नी॒ᵛ ध म	ग॒ᵛ रि॒ सं॒ रि॒ सं नि॒ᵛ सं॒ नि॒ᵛ
ते रे	पा य नि	आ
७	—	~

ध॒ नि॒ᵛ ध॒ म॒ ग॒ᵛ रि॒ रि॒ नि॒ᵛ
आ प रु
—

तान ५.

सा॒ मा॒	नी॒ᵛ ध म	रि॒ सं॒ नि॒ᵛ ध॒ सं॒ नि॒ᵛ ध॒ म॒
ते रे	पा य नि	आ
७	—	~

नि॒ᵛ ध॒ म॒ ग॒ᵛ म॒ ग॒ᵛ रि॒ नि॒ᵛ
आ प रु
—

अमोए गायनना पुस्तको नोटेशन पद्धतीनां तयार करी छपावेला
ते विक्रि सारु तयार छे तेनी किंमत तथा नाम नीचे प्रमाणे.

पुस्तकनुं नाम.	किंमत कलदार.
१ संगीतानुभव	१—०—०
२ सितार शिक्षक	१—४—०
३ तालपद्धती	१—०—०
४ गायननुं पेहेलुं पुस्तक	०—१२—०
५ संगीतानुसार छंदोमंजरी	०—१२—०
६ नृसिंह मेहेतानुं मामेरु	०—४—०
७ भगवंत गरबावळी	०—४—०
८ बाळासंगीतमाला (गुजराती)	०—५—०
९ सदरनामनुं मराठी	०—५—०
१० गायनशाळाओमां चालती गायननी चीजोनुं पुस्तक.२ जुं	०—६—०
११ गायनशाळाओमां चालती गायननी चीजोनुं पुस्तक ३ जुं.	०—८—०
१२ गायनशाळाओमां चालती गायननी चीजोनुं पुस्तक ४ थुं.	०—१२—०

प्रो. मौलाबक्ष घिसेखां.